Patrika (Indore), 20th October 2020, Page-9

आइआइटी इंदौर के आठवें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मानव संसाधन और विकास मंत्री निशंक बोले-

हम मशीनें नहीं; बेहतर इंसान तैयार करने में रखते हैं यकीन, यही शिक्षा नीति का मंत्र

412 स्टूडेंट्स को दी डिग्री

भारत में एक हजार से ज्यादा यूनिवर्सिटी और अमरीकी जनसंख्या से अधिक हैं स्टूडेंट्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

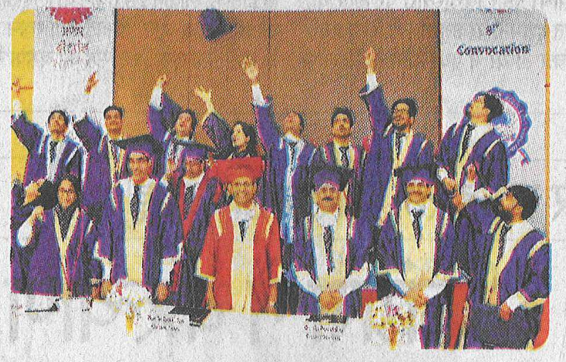

इंदौर ◆ भारत संपूर्ण विश्व के सामने एक ताकत के रूप में उभर रहा है। हमारे पास युवा शक्ति है। भारत शिक्षा के क्षेत्र में भी नित नए आयाम छू रहा है। हमारे यहां एक हजार से अधिक यूनिवर्सिटी व 45 हजार से अधिक कॉलेज हैं। भारत में स्टूडेंट्स की संख्या अमरीका की जनसंख्या से अधिक है। यह बात सोमवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर के आठवें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मानव संसाधन और विकास मंत्री निशांत पोखरियाल 'निशंक' ने कही। वे लाइव छात्रों को संबोधित कर रहे थे, उनके संबोधन के बीच लगभग एक मिनट के लिए पॉवर कट हुआ। कार्यक्रम में उन्होंने डिजिटली केंद्रीय विद्यालय, कम्प्यूटर एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेंटर, सेंट्रल वर्कशॉप, अभिनंदन भवन एवं तक्षशिला लेक्चरर हॉल का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा, मैं सभी ग्रेजुएट हुए विद्यार्थियों को बधाई देता हूं, आपके कठिन परिश्रम को आज सफलता मिली है। अब जीवन की वास्तविक परीक्षा आरंभ हो चुकी है। अब सिर्फ देश ही नहीं अपितु पूरे विश्व की आपसे कई सारी अपेक्षाएं हैं। हमारे देश ने सारी दुनिया को ज्ञान दिया है और हमने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में स्वीकार किया है। यही कारण है, सारी दुनिया में हमें वर्तमान समय में आशा की दृष्टि से देखा जा रहा है। हम मशीनें नहीं, बल्कि अच्छे इंसान तैयार करने में यकीन रखते हैं और इसी मंत्र को आधार मानकर हमने नई शिक्षा नीति तैयार की है। आपके सामने अब पूरा मैदान है और जितनी तेज गति से आगे बढ़ना चाहें बढ़ सकते हैं। मुझे पूरा यकीन है, आप लोगों ने जो भी यहां सीखा है, उसे आप पूरी दुनिया में पहुंचाएंगे और एक बार फिर भारत ज्ञान के शिखर पर विश्व गुरु के रूप में स्थापित होगा। बोर्ड ऑफ गर्वनर्स के चैयरमेन प्रोफेसर दीपक बी. पाठक ने कहा, कोविड-19 की वर्तमान महामारी को देखते हुए हमें धैर्य रखना चाहिए। स्टूडेंट्स को मेडल एवं डिग्री बोर्ड ऑफ गर्वनर्स के चेयरमैन प्रोफेसर दीपक बी पाठक और आइआइटी डायरेक्टर निलेश कुमार जैन ने दिए। कार्यक्रम में सम्मानित स्टूडेंट्स के अलावा बाकी सभी स्टूडेंट्सऑनलाइन मोड में शामिल हुए।

श्रीजा को गोल्ड

दीक्षांत समारोह में 412 स्टूडेंट्स को डिग्री दी। इनमें 233 स्टूडेंट्स बीटेक, 58 एमएससी, 57 एमटेक, 6 एमएस रिसर्च व 58 पीएचडी स्टूडेंट्स शामिल थे। यूजी में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए सीएसई से सप्तर्षि घोष को सम्मानित किया, हालांकि वे मेडल लेने के लिए मौजूद नहीं थे। सीएसई की अरुशी जैन, ईई की खुशबू आहूजा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के आगम गुप्ता, सिविल के शलय गुप्ता व मेटलर्जी के आशुतोष गुप्ता को सभी स्नातक यूजी के छात्रों में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए रजत पदक दिया गया। स्पेशल डिसिप्लिन में एमटेक के मनीष बड़ोले और आंचल सक्सेना को रजत पदक मिला। दो साल के मास्टर्स प्रोग्राम में सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के लिए श्रीजा तिवारी ने बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल प्राप्त किया। चैतन्य मेहता को सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित किया गया।